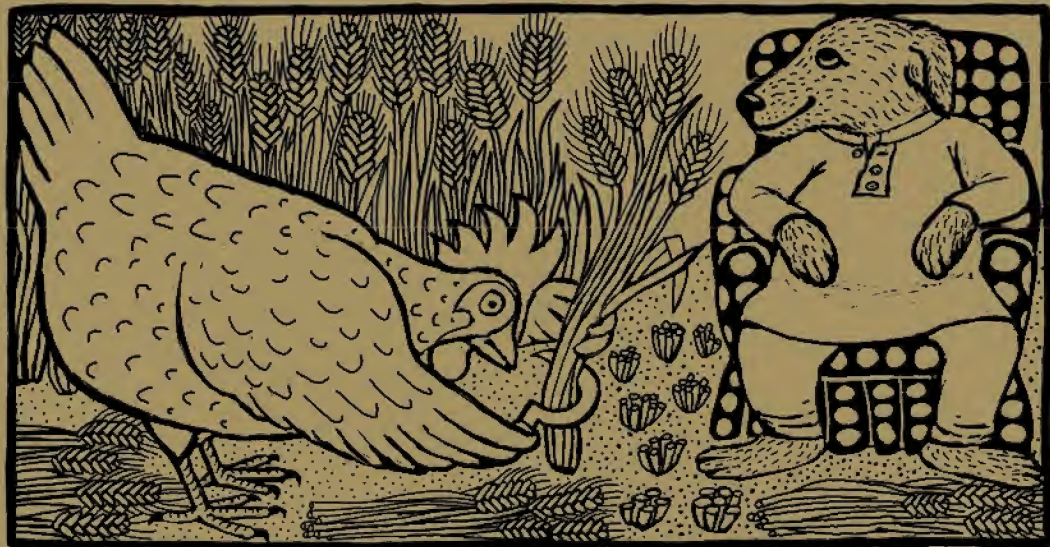


# दूधोटी लाल सुर्गी



कैरन हेडाक

एकलव्य

अहा !  
गेहूँ के दाने!  
हम इसे खा ले...  
या बो दे !





कौन करेगा मदद  
इसको बॉने में ?

मैं नहीं





मैं नहीं



Universitatis Princetoniensis

Gnibus his lecturis

Præsentat  
Præsentat

Philosophiæ Doctores

Præsentat  
Præsentat

Præsentat  
Præsentat



Præsentat  
Præsentat

में नहीं



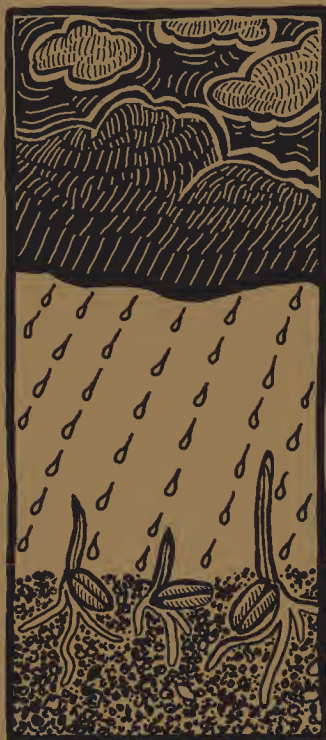
मैं नहीं



अच्छा मैं खुद ही बोऊंगी !









मैं नहीं

मैं नहीं

मैं नहीं

मैं नहीं

कौन देगा मदद  
फसल काटने में ?



कौन करेगा  
मदद मेहूँ  
कूटने में ?

मैं नहीं

मैं नहीं

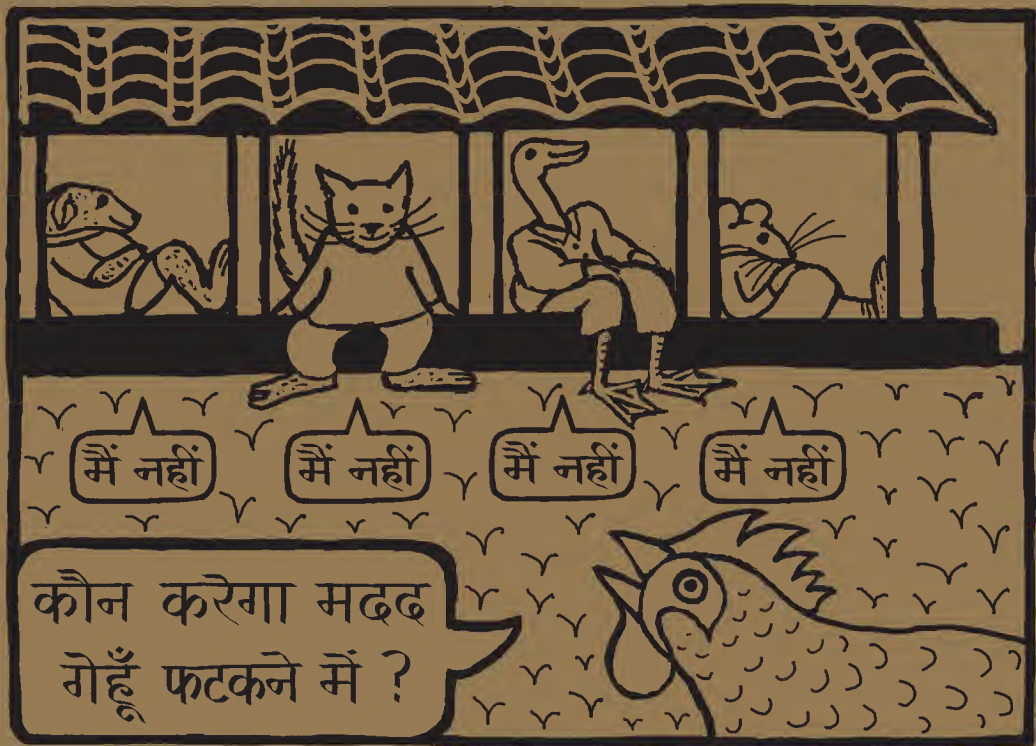
मैं नहीं

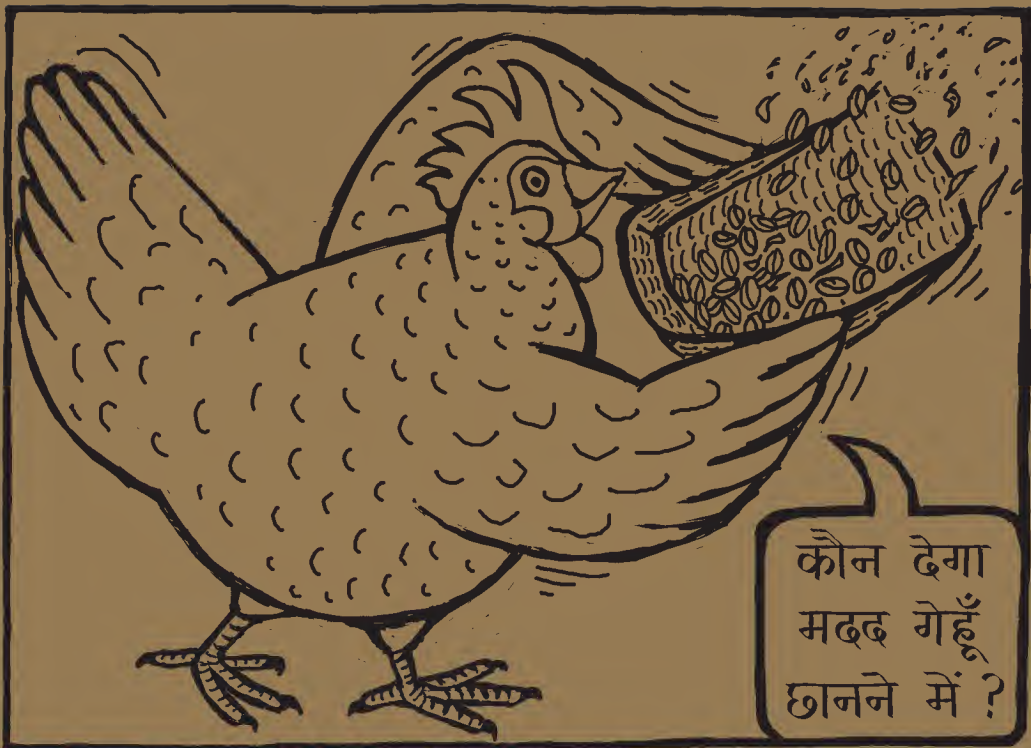
मैं नहीं











कौन देगा  
मदद गेहूँ  
छानने में ?

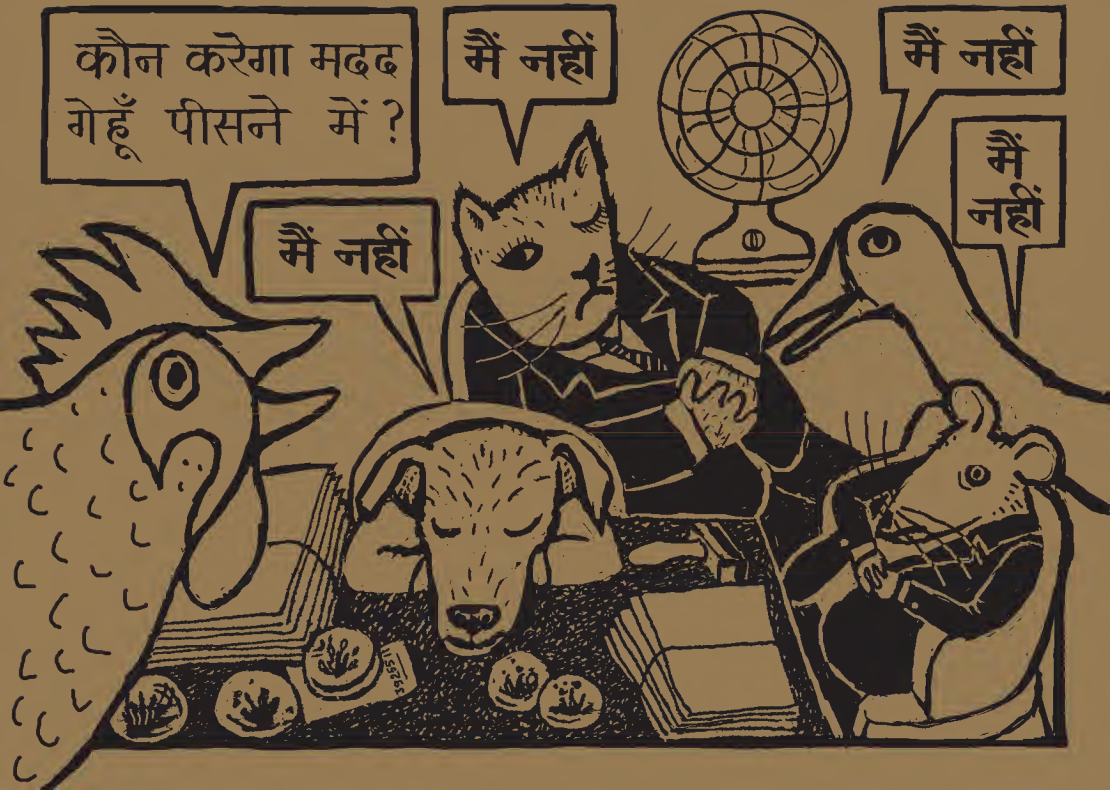
कौन करेगा मदद  
मेहँ पीसने में ?

मैं नहीं

मैं नहीं

मैं  
नहीं

मैं नहीं





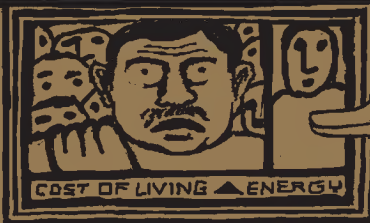
अच्छा  
मैं खुद  
ही  
पीसूंगी !



कौन करेगा  
मदद रोटी  
पकाने में ?

मैं नहीं

मैं नहीं



मैं नहीं

मैं नहीं

अच्छा मैं खुद ही पकाऊँगी !



कौन करेगा मदद रोटी खाने में ?

मैं खाऊँगा!

मैं खाऊँगा!

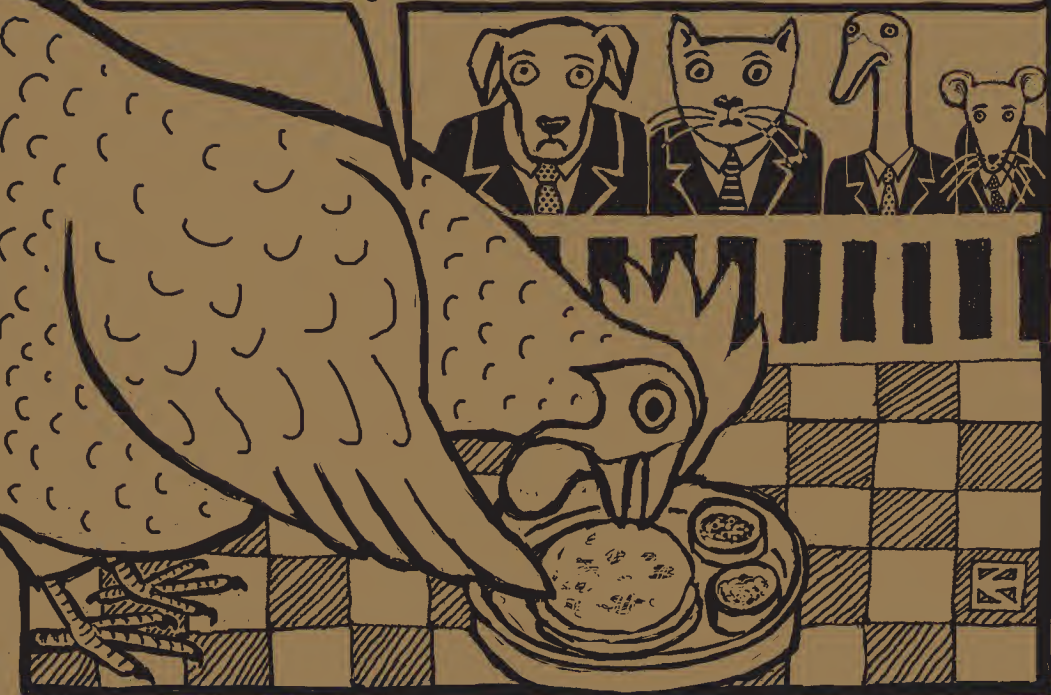
मैं  
खाऊँगा!

मैं खाऊँगा!





जी नहीं! मैं खुद खाऊँगी! जो काम करे सो खाए...



छोटी लाल मुर्गी / Chhoti Lal Murgi

कहानी व चित्र: कैरन हेडॉक

डिज़ाइन: कनक शशि



कैरन हेडॉक, नवम्बर 2015

इस कहानी का उपरोक्त के समान क्रिएटिव कॉमन्स लाइसेंस के तहत गैर-व्यावसायिक शैक्षिक उद्देश्यों हेतु मुफ्त वितरण के लिए उपयोग किया जा सकता है। ऐसा करते हुए मूल स्रोत के रूप में लेखक और प्रकाशक का जिक्र करना और उन्हें सूचित करना आवश्यक होगा। अन्य किसी भी प्रकार के उपयोग के लिए एकलव्य से सम्पर्क करें।

नवम्बर 2015/ 3000 प्रतियाँ

कागज़: 140 gsm ब्राउन क्राफ्ट पेपर

पराग इनिशिएटिव, टाटा ट्रस्ट के वित्तीय सहयोग से विकसित

ISBN:978-93-81337-77-6

मूल्य: ₹ 18.00

प्रकाशक: एकलव्य

ई-10, शंकर नगर बीडीए कॉलोनी,

शिवाजी नगर, भोपाल - 462 016 (मप्र)

फोन: +91 755 255 0976, 267 1017

[www.eklavya.in](http://www.eklavya.in) / [books@eklavya.in](mailto:books@eklavya.in)

मुद्रक: आर के सिक्स्युप्रिंट, प्रा. लि., भोपाल (मप्र) +91 755 268 7589